कोटद्वार, शुक्रवार
8 अगस्त 2025
वर्षः 47
अंकः 98 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक पसरा सन्नाटा

रुद्रप्रयाग : पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश और भूस्खलन की घटनाओं को देखते हुए केदारनाथ यात्रा गुरुवार को भी बंद रही। जबकि मद्महेश्वर की यात्रा को भी सुरक्षा के दृष्टि रोका गया है। प्रशासन ने तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया है। लगातार हो रही बारिश और उत्तरकाशी के धराली की घटना के बाद प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा में कोई भी कोताही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार सुबह सोनप्रयाग से कोई भी यात्री केदारनाथ के लिए नहीं भेजा गया। पुलिस सोनप्रयाग और गौरीकुंड में लगातार एनाउंसमेंट करती रही कि अभी यात्रा पर रोक है जो भी यात्री यहां पहुंचा है वह अन्य मंदिरों में दर्शन करे। इसी के चलते यात्री अन्य जगहों को प्रस्थान करते रहे। हालांकि यात्रा बंद होने की सूचना पर सोनप्रयाग में यात्रियों की संख्या काफी कम देखी गई। बाद में पुलिस के आग्रह के बाद वे वापस लौट गए। वहीं केदारनाथ से लौट रहे कुछ यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया गया। इधर, द्वितीय केदार मद्महेश्वर की यात्रा भी गुरुवार को रुकी रही। बनतोली में ट्राली के बेसमेंट के पास हो रहे भूस्खलन को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा रुकी रही। जो भी यात्री मद्महेश्वर से वापस आने वाले थे उन्हें सुरक्षा जवानों के बीच ग्रामीणों की मदद से वापस लाया गया है। केदारनाथ की यात्रा बंद होने से केदारनाथ धाम में भी सन्नाटा पसरा रहा। जबकि गौरीकुंड, सोनप्रयाग और सीतापुर में भी यात्री नहीं दिखे। (एजेंसी)

कर्मचारियों के अवकाश पर लगी रोक

नई टिहरी : कर्मचारियों के अवकाश पर लगाई रोक डीएम नितिका खण्डेलवाल ने मानसून में अतिवृष्टि के मद्देनजर जनहित व प्रशासनिक कार्यों की निर्बाध बनाये रखने के चलते जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अनावश्यक आवाजाही और अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। उन्होंने निर्देशित किया है कि आगामी आदेशों तक कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेगा और न ही अवकाश पर जाएगा। डीएम ने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही या अनुपस्थित पाए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों को आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करवाने को निर्देशित किया। (एजेंसी)

आतंकी पन्नू ने सीएम मान को मारने की दी धमकी

अमृतसर , प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की है। अमृतसर में बस स्टैंड के पास स्थित हिन्दू मंदिर, जिला अदालत परिसर और खालसा कॉलेज की दीवारों पर 'खालिस्तान जिंदाबादइ और अन्य भड़काऊ नारे लिखे जाने का दावा किया गया है।एसएफजे द्वारा जारी एक एडिटेड वीडियो में यह नारे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में स्व्नछ्व रेफरेंडम जिंदाबाद भगवंत मान मुर्दाबाद जैसे भड़काऊ संदेश नजर आ रहे हैं। संगठन ने वीडियो के माध्यम से मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पंजाब में तिरंगा फहराने की योजना का विरोध करते हुए इसे लैंड पूलिंग योजना से जोड़ने की कोशिश की है।

हरकी पैड़ी पर बाढ़ का एआई वीडियो वायरल

हरिद्वार। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने की होड़ में कुछ कंटेंट क्रिएटर्स अब धार्मिक स्थलों की गरिमा से भी खिलवाड़ करने लगे हैं। ताजा मामला हरकी पैड़ी पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार बाढ़ का कथित वीडियो तेजी से वायरल हो गया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने साइबर सेल को वीडियो बनाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस कथित वीडियो में गंगा को हरकी पैड़ी पर उफनती हुई और बाढ़ जैसी स्थिति को दर्शाया गया है, जिससे न सिर्फ भ्रम की स्थिति पैदा हुई,

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों के पोछे आंसू, कहा राज्य प्रभावितों के साथ खड़ा

पौड़ी गढ़वाल के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में पहुंचे सीएम धामी, आपदा आने के 24 घंटे के भीतर क्षेत्र में पहुंचे सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को पौड़ी जनपद के आपदाग्रस्त क्षेत्र सैंजी का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित ग्रामीणों से उनका हालचाल पूछते हुये क्षति की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावितों के आंसू पूछते हुए आश्वस्त किया कि सरकार हर समय उनके साथ हैं। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि आपदा प्रभावितों को राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की कमी न हो। इससे पूर्व उन्होंने हेलीकाप्टर से थलीसैंण तहसील के बांकुड़ा सहित अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया।

विगत दिनों हुई अतिवृष्टि से जनपद में जान माल की हानि हुई है। हेलीकाप्टर से भरसार हैलीपैड में उतरने के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से आपदा प्रभावित क्षेत्र की ओर रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने नौठा में बुरांसी के आपदा प्रभावित और अन्य ग्रामीणों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित महिलाओं के आंसू पोछते हुए उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि आपदा की इस घड़ी में कोई भी खुद को अकेला न समझे और पूरा राज्य पीड़ितों के साथ खड़ा है। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि प्रभावितों के पुनर्वास एवं विस्थापन की कार्यवाही त्वरित गति से की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि से हुई क्षति का आंकलन करवाए जाने के साथ-साथ सर्वप्रथम ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर भेजे जाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाय। कहा कि प्रशासन तत्परता से लोगों की मदद करे, जिससे जनजीवन सामान्य हो सके। साथ ही कहा कि वाडिया इंस्टीट्यूट को सर्वे करने के लिए कहा जाएगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मुख्यमंत्री का आभार करते हुए कहा कि पुनर्वास के लिए एक समिति बनाई जाएगी। बताया कि जिन लोगों के दुकानों, मकानों को क्षति पहुंची है, उनके लिए प्राथमिकता से प्रयास किए जाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि क्षेत्र में प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कर ली गई है और राहत सामग्री और धनराशि वितरित की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि हर गांव तक प्रशासन की टीम पहुंच रही है और किसी को भी राहत से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

टूटे, पथरीले रास्ते भी नहीं रोक पाए मुख्यमंत्री के कदम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सैंजी गांव में पैदल ही क्षतिग्रस्त रास्ते से गुजरते हुए आपदा प्रभावित परिवारों के घर जाकर उनसे मुलाकात की तथा आपदा से हुई क्षति का जायजा लिया। इस दौरान प्रभावित परिवारों ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और त्वरित गति से राहत कार्य हेतु आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों ने प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थलों पर शरण ली है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट्स नियमित रूप से भ्रमण करें

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए कि गांव में स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट्स नियमित रूप से भ्रमण करें, ताकि बीमार, वृद्धजनों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों तथा विशेष रूप से प्रभावित व्यक्तियों को चिकित्सकीय परामर्श और उपचार समय से मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक दवाइयों, प्राथमिक उपचार किट और चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों को दिये आर्थिक सहायता के चेक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गुरूवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्राम सैंजी और ग्राम बुरांसी के आपदा पीड़ितों को आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किये। सोलह आपदा पीड़ितों को आवासीय भवन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त होने पर प्रति पीड़ित को 01 लाख 30 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी गई है। जबकि मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता दी गई है।

जिला सूचना कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आपदा के कारण पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त ग्राम सैंजी के 15 परिवारों/भवन स्वामियों प्रभा देवी, नीलम सिंह भंडारी, भगत सिंह भंडारी, पवन सिंह भंडारी, विमला देवी, शाखा देवी, पवेली देवी, विमल सिंह, दीवान सिंह, रविन्द्र सिंह, जसवंत सिंह, गोपाल सिंह, मनोज सिंह, कृपाल सिंह व हेमराज सिंह को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रति/भवन स्वामी 01 लाख 30 हजार रुपये के चेक वितरित कर आर्थिक सहायता प्रदान की। जबकि ग्राम बुरांसी में आपदा के कारण जान गंवाने वाली महिला आशादेवी पत्नी प्रेम सिंह के परिजनों/वारिसों अनिल सिंह व शुभम सिंह, विमला देवी पत्नी बलवंत सिंह के परिजनों/वारिसों विक्रम सिंह व दीपक सिंह को 02-02 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। बुरांसी गांव के केशर सिंह पुत्र अमर सिंह के आवासीय भवन पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त होने पर 01 लाख 30 हजार रुपये आर्थिक सहायता चेक के माध्यम से प्रदान की गयी।

जम्मू—कश्मीर के उधमपुर में सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 3 जवानों की मौत, 15 घायल

उधमपुर ,जम्मू—कश्मीर के उधमपुर जिले में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवानों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यह हादसा बसंतगढ़ इलाके के कंडवा क्षेत्र में उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का एक बंकर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन में 187वीं बटालियन के कुल 23 जवान सवार थे। जैसे ही यह वाहन कंडवा—बसंतगढ़ मार्ग पर पहुंचा, सड़क पर बैलेंस बिगड़ने से वह पलट गया और गहरे नाले में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

दुर्घटना सुबह करीब 10:30 बजे उस समय हुई जब जवान एक ऑपरेशन से लौट रहे थे। दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस घटना को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भट ने बताया कि सभी घायल जवानों का इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में सड़क की खराब स्थिति और वाहन का नियंत्रण बिगड़ना हादसे का कारण माना जा रहा है।

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म एक्स पर शोक संवेदना जताई और जिला उपायुक्त सलोनी राय से व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्होंने बताया कि राहत कार्यों पर नजर रखी जा रही है और स्थानीय लोग भी सहायता के लिए आगे आए हैं। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

यूपी में तीन घंटे में तीन बड़े एनकाउंटर

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश पुलिस ने गुरुवार को मात्र तीन घंटे के भीतर तीन एनकाउंटर में तीन कुख्यात अपराधियों को ढेर कर दिया। इनमें एक झारखंड का कुख्यात अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह शामिल है, जबकि सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में वांछित दो शूटर भी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। पहली मुठभेड़ प्रयागराज जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई। झारखंड के धनबाद निवासी कुख्यात अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह की मौजूदगी की सूचना मिलने पर एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने शिवराजपुर चौराहे के पास घेराबंदी की। एसटीएफ के ललकारने पर छोटू सिंह ने र्च–47 और 9 एमएम पिस्तौल से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हुआ। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से एक र्च–47, 9 एमएम पिस्तौल, भारी मात्रा में कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा भारत

ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच पीएम मोदी का बड़ा बयान

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को साफ शब्दों में कहा कि भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगाने का ऐलान किया है।

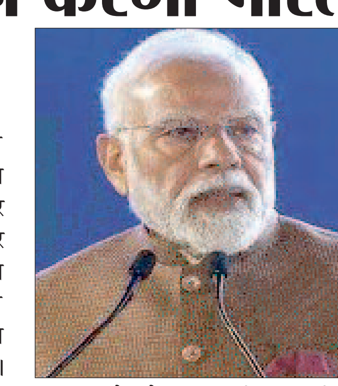

प्रधानमंत्री एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, *हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से कभी भी समझौता नहीं करेगा। मुझे पता है कि इसके लिए मुझे व्यक्तिगत रूप से बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है, लेकिन मैं तैयार हूं। भारत आज अपने अन्नदाताओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।* प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का कार्यकारी आदेश जारी किया है। इससे पहले ट्रंप भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा कर चुके थे, जिसे अब बढ़ाकर कुल 50 प्रतिशत कर दिया गया है।

सरकार ने लागू किया नया धर्मांतरण कानून

धर्म छिपाकर की शादी होगी अमान्य, 10 साल की जेल और लगेगा भारी जुर्माना

पंचकूला , हरियाणा सरकार ने धर्म छिपाकर शादी करने वालों को लेकर नया धर्मांतरण कानून लागू कर दिया है। धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं पर सख्ती बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई व्यक्ति विवाह के लिए अपना धर्म छिपाता है, तो ऐसे विवाह को 'अमान्यइ माना जाएगा। इस अधिनियम के तहत यदि कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है।

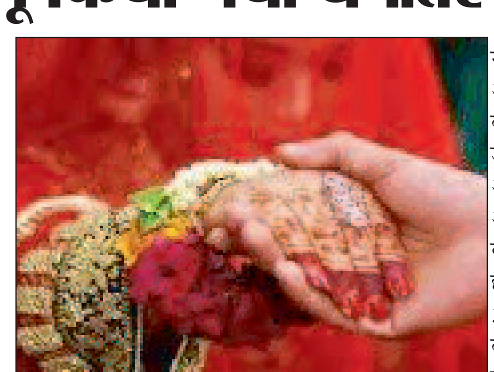

नए धर्मांतरण कानून के अनुसार अगर ऐसे विवाह से संतान जन्म लेती है तो उसे कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और उसे संपत्ति में उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलेगा। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि शादी के नाम पर धोखे और जबरदस्ती धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है। नए कानून में यह प्रविधान है कि कोई भी व्यक्ति धोखे, लालच, बल या अनुचित प्रभाव से धर्म परिवर्तन नहीं करा सकता, चाहे वह विवाह के लिए ही क्यों न किया गया हो। सुमिता मिश्रा के अनुसार, धर्म परिवर्तन करने से पहले संबंधित उपायुक्त को सूचित करना अनिवार्य है। धार्मिक अनुष्ठान कराने वाले व्यक्ति को भी सूचना देनी होगी। किसी भी घोषणा पर 30 दिन तक आपत्ति दर्ज की जा सकती हैं। अगर कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है। सुमिता मिश्रा ने सभी जिलों के उपायुक्तों, पुलिस आयुक्तों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 'हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन निवारण अधिनियम एवं नियम 2022इ का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

क्रिकेटर यश दयाल की जल्द होगी गिरफ्तारी

जयपुर ,आईपीएल 2025 चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल को नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली है। न्यायमूर्ति सुदेश बंसल की अदालत ने स्पष्ट किया कि पीड़िता नाबालिग है, इसलिए गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई जा सकती। अदालत ने मामले की केस डायरी तलब करते हुए 22 अगस्त को अगली सुनवाई तय की है।

दयाल के वकील कुणाल जैमन ने बताया कि इससे पहले गाजियाबाद में एक लड़की ने उनके मुवक्किल के खिलाफ इसी तरह का मामला दर्ज कराया था, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। वकील का दावा है कि यह एक संगठित गिरोह की साजिश है, जो इस तरह के मामलों के जरिए ब्लैकमेल करता है। सांगानेर थाना पुलिस के अनुसार, जयपुर की शिकायतकर्ता युवती की यश दयाल से मुलाकात क्रिकेट खेलते समय हुई थी।

धराली में फंसे केरल के 28 पर्यटकों का पता चल गया, सभी सुरक्षित

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के धाराली में बादल फटने के बाद लापता लोगों में दक्षिणी राज्य केरल के भी 28 लोग शामिल थे। उन्हें लेकर उनके परिवारवाले काफी परेशान थे। आलम यह था कि जिस ट्रेवल एजेंसी ने उनके इस टूर की जिम्मेदारी ली थी, वह भी इस मामले में चुप थी। कोई अपडेट नहीं मिल पा रहा था। दो दिन बाद सभी 28 पर्यटकों का पता चल गया है। अच्छी बात यह है कि सभी सुरक्षित हैं। ये ताजा जानकारी खुद इनके परिवारवालों ने दी है। कोच्चि के एक दंपति के रिश्तेदार, जो टूर ग्रुप का हिस्सा थे, ने बताया कि रक्षा सूत्रों ने उन्हें जानकारी दी कि सभी 28 पर्यटक सुरक्षित हैं। अंबिली एन नायर, जो एक रिश्तेदार हैं, ने बताया, "हमें रक्षा सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, वे सुरक्षित हैं, लेकिन अभी भी बस में फंसे हुए हैं और कहीं जा नहीं सकते। उनमें से

ज्यादातर 55 साल से ऊपर के हैं। सेना के जवान भी वहां नहीं पहुंच पा रहे हैं जहां उनकी बस फंसी है।" उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मलयालम समाज ने भी पुष्टि की है कि पर्यटक सुरक्षित तो हैं लेकिन फंसे हुए हैं। अंबिली ने सुबह मीडिया को बताया कि 28 लोगों में से 20 केरल के हैं जो महाराष्ट्र में बसे हुए हैं, जबकि बाकी आठ केरल के अलग–अलग जिलों से हैं। उन्होंने बताया कि दंपति के बेटे ने उनसे एक दिन पहले आखिरी बार बात की थी। उन्होंने कहा था, "उन्होंने बताया था कि वे उस दिन सुबह करीब 8:30 बजे उत्तरकाशी से गंगोत्री के लिए निकल रहे हैं। भूस्खलन उसी रास्ते पर हुआ है। उनके निकलने के बाद से हम उनसे संपर्क नहीं कर पाए हैं।" उन्होंने बताया कि हरिद्वार स्थित ट्रैवल एजेंसी, जिसने 10 दिनों के उत्तराखंड दौरे का इंतजाम किया था, वह भी समूह के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही थी। उन्होंने कहा, "अब तक उनके फोन की बैटरी खत्म हो गई होगी। उस क्षेत्र में अभी कोई मोबाइल नेटवर्क भी नहीं है।" मंगलवार दोपहर को बादल फटने के बाद उत्तराखंड के एक नाजुक पारिस्थितिक क्षेत्र धराली में आई आपदा में कम से कम चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

जस्टिस यशवंत वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, याचिका खारिज

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने उनकी याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया है। दरअसल, जस्टिस वर्मा ने अपने आवास से जला हुआ कैश मिलने के मामले में गठित जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाने के लिए भेजी गई सिफारिश को भी चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता ने स्पष्ट किया कि

अदालत ने यह माना है कि इस पूरी प्रक्रिया से याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि चीफ जस्टिस और जांच कमेटी ने फोटो और वीडियो अपलोड करने समेत प्रक्रिया के सभी पहलुओं का पूरी ईमानदारी से पालन किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि वीडियो अपलोड करना एक सही फैसला नहीं था, लेकिन इस पर कोई कानूनी निर्णय नहीं लिया गया, क्योंकि इस कदम को समय रहते चुनौती नहीं दी गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि वीडियो अपलोड करने की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन चूंकि उस समय इस मुद्दे को उठाया नहीं गया, इसलिए अब इस पर विचार नहीं किया जा सकता। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में नकदी बरामदगी की जांच और मई में जस्टिस वर्मा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग वाली नेदुमपारा की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तरकाशी जिले के धराली में प्राकृतिक आपदा को लेकर अगर कोई अफवाह फैलाता है तो पुलिस संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आपदा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करेगी। इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों को सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी किसी भी प्रकार की अफवाहों से सावधान रहने की अपील करते हुए ऐसे लोगों की सूचना तत्काल प्रशासन को देने का अनुरोध किया है। धराली आपदा को लेकर कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और वीडियो के माध्यम से झूठी सूचनाएं देकर आम जनता को गुमराह कर रहे हैं। शासन-प्रशासन ने इसका संज्ञान लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ आपदा एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि आपदा की इस कठिन घड़ी में लोगों के बीच भय, भ्रम और अराजकता फैलाने वाली गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, ताकि राहत और बचाव कार्यों में कोई बाधा न आए।

उत्तराखंड में मौसम बढ़ा रहा चिंता की लकीरें, उत्तरकाशी समेत नौ जिलों में फिर अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में तीन दिन बाद भारी वर्षा का सिलसिला कुछ धीमा पड़ा है। पहाड़ से मैदान तक कई दिनों बाद धूप खिली। हालांकि, कहीं–कहीं तीव्र बौछारों का दौर जारी है। इसके बावजूद उत्तरकाशी समेत ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम ने फौरी राहत दी है। जिससे राहत–बचाव में तेजी लाने में मदद मिल रही है। हालांकि, अभी चिंता कम नहीं हुई है। मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को भी उत्तरकाशी–देहरादून समेत नौ जिलों में कहीं–कहीं तीव्र वर्षा के दौर होने की चेतावनी जारी की गई है। जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में दुश्वारियां बढ़ सकती हैं।

आपदाग्रस्त क्षेत्र में भी मौसम ने दी कुछ राहत

गुरुवार को देहरादून समेत आसपास के क्षेत्रों में सुबह आंशिक बादल मंडराते रहे,

लेकिन दिन में चटख धूप खिल उठी। उत्तरकाशी के आपदाग्रस्त क्षेत्र में भी मौसम ने कुछ राहत दी। इस दौरान ज्यादातर पहाड़ी क्षेत्रों में आंशिक बादल छाने से लेकर धूप खिली रहने की सूचना है। देहरादून जिले में कालसी में वर्षा के तीव्र दौर हुए और दिनभर में 40 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। इसके अलावा सहस्त्रधारा में भी करीब 30 मिमी वर्षा हुई। अन्य क्षेत्रों में बौछार के एक से दो दौर दर्ज किए गए। दिन में धूप खिलने से पारे में भी वृद्धि दर्ज की गई। ज्यादातर क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार को उत्तरकाशी, चमोली, देहरादून, पौड़ी, बागेश्वर, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर, चंपावत व नैनीताल जनपदों में कहीं–कहीं भारी वर्षा हो सकती है। शेष जनपदों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर होने की आशंका है। अगले दो दिन मौसम इसी प्रकार का बना रह सकता है। जबकि, रविवार से कुमाऊं में भारी से बहुत भारी वर्षा के दौर शुरू हो सकते हैं।

सम्पादकीय

आपदा हानि का गलत प्रचार

किसी भी बड़ी आपातकालीन स्थिति के बाद महत्वपूर्ण होता है कि उस क्षेत्र में राहत कार्य एवं व्यवस्थाओं को बनाए रखा जाए। इस कार्य में जहां एक ओर सरकारी मशीनरी दिन–रात मेहनत करती है तो वही आम व्यक्ति को भी अपनी भूमिका का पालन करना चाहिए फिर चाहे वह "ग्राउंड जीरो" पर हो या फिर अपने घरों पर। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में 5 अगस्त को आई आपदा के बाद क्षेत्र में भारी हानि हुई है। राज्य सरकार के साथ–साथ केंद्र सरकार ने भी बड़े पैमाने पर मदद भेजी है जिसमें सी और वायु सेवा भी शामिल है। सभी संस्थाएं एवं एजेंसियां मिलजुल कर राहत का कार्य चल रहा है और कोशिश की जा रही है कि लापता लोगों को तलाशा जा सके या फिर मलबे में तभी जिंदगी बचाई जा सके। कई लोगों को रेस्क्यू कर हवाई मागी से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और यह कार्य बेहद खूबी के साथ आपसी समन्वय से किया जा रहा है। उधर सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर आपदा से जुड़ी कुछ ऐसी पोस्ट डाली जा रही है जिनका ना तो क्षेत्र से कोई लेना देना है और ना ही इनमें कोई सत्यता। ऐसी खबरों के बाद दैवीय आपदा को लेकर एक गलत संदेश फैल रहा है जिस पर अब स्थानीय प्रशासन कार्रवाई करने जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते समय संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए ताकि अफवाहों को हवा ना मिले और "ग्राउंड जीरो" पर जुटे कर्मचारी हतोत्साहित ना होने पाए भटका माहौल न बने। जिस प्रकार से धराली आपदा को लेकर सोशल मीडिया पर मृतकों का आंकड़ा और तस्वीरें बड़ा चढ़कर बताई जा रही है वह एक गंभीर विषय है और राज्य सरकार को अब इस दिशा में ऐसी पोस्ट डालने वालों के खिलाफ साइबर सेल की मदद लेनी चाहिए। प्रदेश के मुख्यमंत्री आपदा के बाद से ही क्षेत्र में डटे हुए हैं और लगातार एक–एक पल की जानकारी लेते हुए खुद भी मदद के लिए तैयार खड़े नजर आए हैं। ऐसी परिस्थितियों में जरूरी है कि खबरी मीडिया हो या फिर सोशल मीडिया, धरातल पर जो कुछ वास्तविकता है वही सकारात्मक तरीके से लोगों तक पहुंचाई जानी चाहिए। भ्रामक एवं असत्य समाचारों से डर की स्थिति पैदा होती है व अफवाहें जन्म लेती हैं। सोशल मीडिया का प्रयोग करने वालों को घटना की संवेदनशीलता को समझते हुए पहले सत्यता को परखना चाहिए और उसी के बाद पुष्टता के आधार पर ही कोई भी पोस्ट डालनी चाहिए। हालांकि राज्य सरकार की ओर से अब यह स्पष्ट कर दिया गया है कि असत्य पोस्ट या भ्रामक झूठे समाचार डालने वालों के खिलाफ राहत की अब कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। जहां एक तरफ उत्तराखंड जनमानस, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी सभी इस भयंकर प्राकृतिक आपदा में मदद के लिए हाथ बढ़ाए खड़े है तो वहीं कुछ लोगों द्वारा घटना को वास्तविकता से अधिक बढ़ा चढ़ा कर पेश करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं।ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको–सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है।ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है।निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्त्रोत,रि–साईकिलिंग और अप–साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है।ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है। भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको–सिस्टम) का समर्थन करती है।इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण–अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकलइ और 'आत्मनिर्भर भारतइ जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।'कौशल भारतइ और 'डिजिटल भारतइ जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य–उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय–केंद्रित रणनीति आवश्यक है।को–ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर–लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ–साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम–आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है।अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है।वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्न हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्न अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्न ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज–सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है।आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है।हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार।इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं।ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं।संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है।इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है।भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है।इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है,यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है।बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं।यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।आज, तेज़ी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है,अबयह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगोंका सम्मान करती हैऔर देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फ़ैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकलइ और 'आत्मनिर्भर भारतइ जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।'कौशल भारतइ और 'डिजिटल भारतइ जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

एसआईआर पर इतना बवाल क्यों?

अजय दीक्षित

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के लिए एस आई आर (विशेष सघन पुनरीक्षण) पर आपत्ति जताई है और बिहार में राजद ने एन विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने जो अभियान चलाया है उस पर तेजस्वी यादव ने गहन आपत्ति की है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में 65 लाख मतदाता फर्जी पाए हैं जिनके नाम विभिन्न विधानसभा सीटों से काट दिए गए हैं।एक विधानसभा सभा क्षेत्र से औसत 3200 वोट काटे गए हैं।इन में चुनाव आयोग ने कहा है कि स्ढ्ढक्र सभी राज्यों में होगा।

दरअसल भारत में जब से या आजादी के बाद से कभी इंटीग्रेटेड मतदाता सूची बनी ही नहीं थी न ही बन सकती थी क्योंकि न तो तब आधार कार्ड, वोटर आईडी,था । अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी और यह मैनुअल थी ।चुनाव आयोग से जुड़े लोग मतदाता सूचियों को रिवाइज्ड करते रहते थे। लेकिन अब चुनाव आयोग के पास नए सॉफ्टवेयर हैं जो नाम डालते ही बता देते हैं कि ये नाम किन किन स्थानों पर दर्ज है। और उसे मतदाता की पसंद के साथ अन्य सभी स्थानों से अलग कर देता है।अब चुकी सरकार के सभी कार्यों का विरोध करना है और मुद्दे चाहिए तो पहले ही चोर चोर चिल्ला देते हैं। राहुल गांधी भी इसे बोट की चोरी बता रहे हैं। ऊपर से मल्लिकार्जुन खड़गे, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, रेवंत रेड्डी, संजय रावत हां में हां मिला देते हैं। ज्ञातव्य हो कि असम, पश्चिमी बंगाल,बिहार,केरल,में 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए बिहार और असम में सत्ता में है ।जबकि पश्चिमी बंगाल में तुड़मूल कांग्रेस,केरल में वामपंथी दल सरकार चला रहे हैं। जिसमें से इस बार बिहार में राजद, कांग्रेस महागठबंधन पूरा जोर लगा रहा है यद्यपि प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बताते हैं कि कुछ गणित बिगाड़ने की स्थिति में है। इसलिए स्ढ्ढक्र का विरोध हो रहा है। असम, पश्चिमी बंगाल,में वास्तव में बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी संख्या में हैं और इतने हैं कि चुनावों के परिणामों को प्रभावित कर देते हैं उनमें से नब्बे फीसदी मुस्लिम है जो भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकीकृत हो कर मतदान करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी जब से 2014 से लोकसभा में बहुमत के साथ आई है तब से अब तक उसका अन्य पार्टियों या विपक्ष में बौखलाहट चरम सीमा पर है। केंद्रीय सरकार और विपक्ष में तालमेल तो छोड़ो लोकतांत्रिक व्यवस्था का रिश्ता भी जाता रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अब किसी भी कीमत पर बदलाव चाहते हैं चाहे वह अराजक कदम ही क्यों न उठाना पड़ें।यहां तक कि चुनाव का बहिष्कार भी हो सकता है जो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अप्रिय कदम होगा । ममता बनर्जी भी तूफान के पहले की शान्ति में हैं। जिसमें विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तो कतई झेलने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि कांग्रेस ऐसा मानती है कि जब तक नरेंद्र मोदी सरकार है तब तक विपक्ष का कोई चांस न तो दिल्ली में है न राज्यों में।अब विपक्ष की राज्यों कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल,केरल, हिमाचल, तेलंगाना प्रदेश में ही सरकार है और इन राज्यों से क्रमशः 28,42,20,4,14,कुल 94 सांसद चुनकर आते हैं जिसमें भी केरल को छोड़कर सभी राज्यों भारतीय जनता पार्टी के सांसद अधिक है

> भारत में जब से या आजादी के बाद से कभी इंटीग्रेटेड मतदाता सूची बनी ही नहीं थी न ही बन सकती थी क्योंकि न तो तब आधार कार्ड, वोटर आईडी,था । अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी और यह मैनुअल थी ।चुनाव आयोग से जुड़े लोग मतदाता सूचियों को रिवाइज्ड करते रहते थे। लेकिन अब चुनाव आयोग के पास नए सॉफ्टवेयर हैं जो नाम डालते ही बता देते हैं कि ये नाम किन किन स्थानों पर दर्ज है। और उसे मतदाता की पसंद के साथ अन्य सभी स्थानों से अलग कर देता है।अब चुकी सरकार के सभी कार्यों का विरोध करना है और मुद्दे चाहिए तो पहले ही चोर चोर चिल्ला देते हैं।

स्कूली इमारतों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा गिरने के मद्नेनजर उठाया गया है। गौरतलब है कि 25 जुलाई को हुए इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली इमारतों में संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन करने को कहा है। कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हों, सुनिश्चित करने को भी कहा है। हाल के समय में स्कूलों में कई दुखद घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई छात्र असमय काल के गाल में समा गए। जाहिर है कि यह कदम काफी देर से उठाया गया है, लेकिन निश्चित ही सराहनीय है, जिसमें नौनिहालों के जीवन को लेकर सरकार की संजीदगी का पता चलता है।

राज्यों के सार्वजनिक निर्माण विभाग और पंचायती स्तर पर स्कूली इमारतों के निर्माण कराए जाते हैं। जरूरी है कि निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों। निर्माण सामग्री घटिया न हो। इसके लिए इन विभागों में निगरानी तंत्र होता है। यदि कोई इमारत मियाद पूरी करने से पहले ही जर्जर होकर धराशायी होने के कगार पर जा पहुंची है, तो निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के साथ ही लापरवाही और सरकारी धन की बंदरबांट बड़े कारण हो सकते हैं।

इसलिए जरूरी है कि स्कूली इमारतों में निर्माण के स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। ऐसा होता है तो इस प्रकार की दर्दनाक घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार के ही कई विभाग हैं, जो अपने लिए जरूरी निर्माण कार्य अपने तईं विभाग गठित करके पूरा कराते हैं। इन विभागों का प्रमुख दायित्व निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना होता है यानी अपनी नजरों के सामने निर्माण कराए जाने को तरजीह दी जाती है। यहां तो मसला होनहारों का है, जिन्हें किसी भ्रष्टाचार का शिकार नहीं होने दिया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने सभी स्कूली इमारतों की सुरक्षा जांच को कहा है। यह भी जरूरी है कि असुरक्षित स्थितियों पर सतत कड़ी नजर रखी जाए।

मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका में खूब जंचे फरहान अख्तर

इंडो–चाइना वॉर पर आधारित रजनीश घई की निर्देशित 120 बहादुर सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है. मेकर्स ने 120 बहादुर का टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है. फिल्म में बॉलीवुड एक्टर–फिल्म मेकर फरहान अख्तर अहम भूमिका निभा रहे है. यह फिल्म नवंबर 2025 में रिलीज होगी. 2021 में आई फिल्म तूफान के बाद फरहान अख्तर फिल्म 120 बहादुर के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. दमदार पोस्टरों के बाद मेकर्स ने मंगलवार को एक 120 बहादुर का टीजर जारी किया, जिसमें फरहान भारतीय सेना के वर्दी पहने नजर आ रहे हैं. फिल्म में वह मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं. रेजांग ला युद्ध पर आधारित, 120 बहादुर के टीजर ने साहस और बलिदान पर आधारित सिनेमाई युद्ध की एक झलक पेश की है.

फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर 120 बहादुर का टीजर साझा किया है. उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ये वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है. बर्फ में गढ़ी और बलिदान से सजी एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म. 120 बहादुर का टीजर अभी रिलीज हुआ है. 21 नवंबर, 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी. टीजर की शुरुआत एक सवाल से होता है, जिसमें पूछा जाता है, रेजांग ला में 18 नवंबर को आखिर क्या हुआ था. इसके बाद 1962 में हुई भारत–चीन के युद्ध की झलक दिखाई जाती है. टीजर में दिखाया गया कि कैसे –24 डिग्री के तापमान में भारतीय सेना चीन के होने वाले हमले की तैयारी में जुटे हुए थे.

अन्नू रानी ने पोलैंड में किया कमाल, सीजन बेस्ट थ्रो करके जीता स्वर्ण पदक

नईदिल्ली, पोलैंड में आयोजित 8वें इंटरनेशनल वीस्लाव मानियाक मेमोरियल मीट में भारतीय महिला भला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी ने कमाल कर दिया है. उन्होंने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 62.59 मीटर दूर भाला फेंककर भारत की झोली में स्वर्ण पदक डाल दिया. यह टूर्नमेंट वर्ल्ड एथलेटिक्स कांटिनेंटल टूर ब्रांज लेवल मीट का हिस्सा था. उनके इस शानदार प्रदर्शन से विश्व रैंकिंग के जरिए विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें बढ़ गई हैं. मेरठ की रहने वाली अन्नू के नाम 63.82 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था. बुधवार 6 अगस्त को अन्नू ने 60.95 मीटर के प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 62.59 मीटर हासिल किया. उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 60 मीटर से अधिक की दूरी 60.07 मीटर भी तय की. खास बात ये है कि अन्नू रानी, जो 29 अगस्त को 33 वर्ष की हो जाएंगी, ने एक साल से अधिक समय बाद पहली बार 60 मीटर से लंबी थ्रो फेंका है. इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मार्च में मुंबई में 58.82 मीटर था.

790 करोड़... यूएस ओपन टूर्नामेंट में खिलाड़ियों पर होगी करोड़ों की बारिश

नईदिल्ली,यूएस ओपन 2025 की शुरुआत 24 अगस्त को न्यूयॉर्क में होगी. 15 दिनों तक चलने वाले इस टेनिस टूर्नामेंट का समापन 7 सितंबर को होगा. ये साल का चौथा और आखिरी ग्रैंड स्लैम है. इस टूर्नामेंट के लिए प्राइज मनी का भी ऐलान कर दिया गया. जिसे जानने के बाद हर किसी की आंख खुली की खुली रह गई.यूएस ओपन ने अपने 2025 सीजन के लिए 90 मिलियन डॉलर प्राइज मनी का ऐलान किया है. जो भारतीय रुपये में लगभग 790 करोड़ बनता है. इस लिए ये कहा जा सकता है कि इस साल खिलाड़ियों पर पैसों की नहीं बल्कि करोड़ों की बारिश होगी. खास बात ये है कि ये प्राइज मनी टेनिस के इतिहास में सबसे ज्यादा है. इसके अलावा 2025 की प्राइज मनी 2024 में दिए गए 75 मिलियन डॉलर (लगभग 657 करोड़ रुपये) प्राइज मनी से 20 प्रतिशत ज्यादा भी है. 2025 के पुरुष और महिला सिंगल टूर्नामेंट के विजेता को 5 मिलियन डॉलर (44 करोड़ रुपये) मिलेंगे जो पिछले वर्ष के 3.6 मिलियन डॉलर (31 करोड़ रुपये) से 39 प्रतिशत अधिक है. जबकि उपविजेता को 2.5 मिलियन डॉलर (लगभग 22 करोड़ रुपये) सेमीफाइनलिस्ट को 1.26 मिलियन डॉलर (लगभग 14 करोड़ रुपये) मिलेंगे. क्वालीफाइंग राउंड की प्राइज मनी में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. इस लिए राउंड ऑफ 32 के विनर को 57,200 डॉलर (लगभग 50 लाख रुपये), राउंड ऑफ 64 के विजेता को 41,800 डॉलर (लगभग 36 लाख रुपये) और राउंड ऑफ 128 में जीतने वाले को 27,500 डॉलर (लगभग 24 लाख रुपये) मिलेंगे.

महावतार नरसिम्हा की बॉक्स ऑफिस पर दहाड़

पौराणिक महाकाव्य महावतार नरसिम्हा ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले 12 दिनों में इसकी प्रभाव-शाली वृद्धि दर्शाता है। पहले दिन 1.75 करोड़ रुपये की मामूली शुरुआत के बावजूद, फिल्म ने मजबूत वर्ड–ऑफ–माउथ और सप्ताहांत में अच्छी कमाई के दम पर कलेक्शन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है।

फिल्म का सर्वोच्च एकल–दिवसीय आंकड़ा दूसरे रविवार को आया, जहां इसने 23.4 करोड़ रुपये की भारी कमाई की। हिंदी संस्करण ने स्पष्ट रूप से बढ़त हासिल की है, जिसने अब तक के कलेक्शन में सबसे बड़ा योगदान दिया है, जिसने अकेले 90 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म के दूसरे सप्ताहांत के प्रदर्शन ने इसे ब्लॉकबस्टर बनने का मार्ग प्रशस्त किया, और नौवें दिन (दूसरे शनिवार) इसकी कमाई बढ़कर 15.4 करोड़ रुपये हो गई, जो शुक्रवार की संख्या से दोगुनी थी।

फिल्म का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और जयपूर्णा दास, अश्विन कुमार और रुद्र प्रताप घोष ने इसे लिखा है। महावतार नरसिम्हा में आदित्य राज शर्मा, हरिप्रिया मट्टा और प्रियंका भंडारी मुख्य भूमिकाओं में हैं,

बॉक्स ऑफिस पर सैयारा ने पार किया 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं, लेकिन हाल ही में रिलीज हुई कुछ फिल्मों को दर्शकों से खास प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। उधर मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा लगातार बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। तीसरे सप्ताह में भी इसका जादू कायम है। फिल्म ने भारत में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। आइए जानें सैयारा ने 18वें दिन टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सैयारा ने अपनी रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 2.50 करोड़ रुपये जुटाए। इसी के साथ भारत में अब तक इस फिल्म ने 302.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में सैयारा का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 460.15 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान: दोनों टीमों ने वनडे स्क्वाड का किया ऐलान

नईदिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों वेस्टइंडीज के दौरे पर है. जहां उन्हें 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है. टी20 सीरीज खत्म हो चुकी है. जिसको सलमान आगा की अगुवाई में पाकिस्तान ने 2–1 से अपने नाम कर लिया. अब 8 अगस्त से दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज शुरू होने वाली है.

इस सीरीज के लिए दोनों टीमों ने अपने अपने स्क्वाड का ऐलान भी कर दिया है. वेस्टइंडीज की ओर से तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ के कार्यभार को नियंत्रित करने के लिए आराम दिया गया है, जबकि ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड टीम में वापसी कर रहे हैं. क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा कि 15 सदस्यीय टीम के मुख्य खिलाड़ी हाल ही में इंग्लैंड और बांग्लादेश दौरे पर मिली जीत के बाद अपरिवर्तित रहेंगे, और वे लगातार चौथी घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला जीतने की कोशिश करेंगे. बता दें कि वेस्टइंडीज वर्तमान में आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में 10वें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान भारत, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाद चौथे स्थान पर है. 8 अगस्त को श्रृंखला के पहले मैच के बाद, अगले दो मैच 10 और 12 अगस्त को खेले जाएंगे. वेस्टइंडीज हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला 2–1 से हार गया था, जिसके सभी मैच फ्लोरिडा के लॉडरहिल स्थित सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क में खेले गए थे. यह लगातार सातवीं बार भी था जब पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला जीती थी. वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने वनडे स्क्वाड का ऐलान टूर शुरू होने से पहले ही कर दिया था. जिसमें तीनों स्टार खिलाड़ी–बाबर आजम, कप्तान मोहम्मद रिजवान और शाहीन आफ्रीदी को भी रखा गया है. इस के अलावा स्क्वाड में अब्दुल्ला शफीक, फखर जमान, साइम अयूब, हसन नवाज, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, नसीम शाह, हसन अली, सुफयान मुकीम और अबरार अहमद शामिल हैं.

एक नजर

शिक्षक संघ का अधिवेशन 13 से

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जूनियर हाई स्कूल (पूमा) शिक्षक संघ की ओर से 13 अगस्त से जिला स्तरीय शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी व त्रैवार्षिक जिला अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए संघ के अध्यक्ष भगत सिंह भंडारी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोपाल सिंह रावत ने बताया कि अधिवेशन में संघ की नवीन कार्यकारणी का गठन किया जाएगा। साथ ही शिक्षा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए भी चर्चा होगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण रहेंगी।

पुश्ता ढहने से राइंका निजमुला के भवन को खतरा

चमोली : राजकीय इंटर कॉलेज निजमुला के भवन के पीछे का पुश्ता ढह गया है, जिससे कमरों को भारी खतरा हो गया है। यहां विद्यालय के क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी है। वहीं विद्यालय का नया भवन तीन साल में भी पूरा नहीं हो पाया है, जिससे अभिभावक और शिक्षक बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ब्लॉक दशोली के अंतर्गत जीआईसी निजमुला का पुराना भवन जर्जर होने पर उसका कुछ हिस्सा दो साल पहले ध्वस्त कर दिया गया था। इसके बाद यहां नए भवन का निर्माण किया गया। अब विद्यालय परिसर में मौजूद कुछ कमरों में कक्षाएं संचालित की जाने लगीं। तीन साल से आधा ही भवन बन पाया। इस संबंध में निजमुला घाटी के एक शिष्टमंडल ने भवन निर्माण कर रही ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता से वार्ता कर जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की है। मुलाकात करने वालो में क्षेत्र पंचायत सदस्य सैजी संगीता देवी, पीटीए अध्यक्ष बृज लाल, प्रधान बयारा राजेंद्र सिंह, मोली हडुंग प्रधान भगत सिंह, गाड़ी की प्रधान मंदोदरी देवी, सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व प्रधान सैजी सुन्दर सिंह फर्स्वाण प्रधान सैजी सुरेंद्र लाल आदि शामिल थे। आरईएस के अधिशासी अभियंता अलादिया का कहना है कि जीआईसी निजमुला के पुराने भवन को डिस्मेंटल करने में समय लग गया, जिससे नए भवन के निर्माण में देरी हुई है। विद्यालय का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करा दिया जाएगा। प्रधानाचार्य पुष्पेंद्र भंडारी ने कहा कि फिलहाल नए भवन का कुछ काम पूरा हो चुका है। वहां अभी व्यवस्था के तौर पर कक्षाए संचालित की जा रही हैं। (एजेंसी)

आज केदारनाथ में लगेगा अन्नकूट मेला

रुद्रप्रयाग : विश्व प्रसिद्ध धाम केदारनाथ में रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व मध्य रात्रि को लगने वाला अन्नकूट मेला शुक्रवार मध्य रात्रि आयोजित किया जाएगा। बदरी-केदार मंदिर समिति ने मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भगवान केदारनाथ में स्थित स्वयंभू लिंग को नए अनाज के भोग लगाने की परम्परा है जिसे स्थानीय बोली में भतूज का मेला भी कहा जाता है। प्रतिवर्ष रक्षाबंधन से एक दिन पहले केदारनाथ मंदिर में अन्नकूट मेला (भतूज) धूमधाम से मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी बागेश लिंग भगवान शिव के स्वयंभू लिंग की विशेष पूजा-अर्चना संपन्न करने बाद नए अनाज का लेप लगाकर स्वयं भू लिंग का श्रृंगार किया जाएगा। इस अदभुत और अलौकिक दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में भक्त केदारनाथ धाम पहुंचते हैं। विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में भी अन्नकूट मेले की तैयारियां की गई है। बदरी-केदार मंदिर समिति के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी युद्धवीर पुष्पाण ने बताया कि केदारनाथ में अन्नकूट मेले की तैयारियां कर दी गई हैं। (एजेंसी)

बचाव एवं राहत कार्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नई टिहरी : टिहरी लोकसभा सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह ने उत्तरकाशी जनपद के धराली में आई भीषण प्राकृतिक आपदा में हताहत हुई व्यक्तियों एवं उनके परिजनों की प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों की शीघ्र कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि हम सम्बंधित अधिकारियों, जिला प्रशासन से लगातार संपर्क में हैं। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के अधिकारियों से भी संपर्क किया।

उन्हें भी त्वरित कार्यवाही के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग को भी मोबाइल टीमों के साथ और अस्पताल में उचित व्यवस्था बनाए रखने के साथ तैयार किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी फोन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस दुःखद घटना पर राहत एवं बचाव कार्य में हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। साथ ही लगातार निगरानी बनाये हुऐ हैं।

ऑनलाइन बिक रही राखी, मायूस हुए व्यापारी

ऑनलाइन का प्रचलन बढ़ने से बाजार में कम हुई ग्राहकों की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार के झंडाचौक में सजी राखी की दुकान

कोटद्वार : ऑनलाइन बाजार ने शहर की रौनक फीकी कर दी है। पूर्व में जहां राखी खरीदने के लिए बाजार में ग्राहकों की भीड़ उमड़ी रहती थी। वहीं, इस बार दुकानें सूनी नजर आ रही हैं। जबकि, ग्राहकों को लुभाने के लिए कई व्यापारी राखी खरीदने में आकर्षक ऑफर भी दे रहे हैं।

कुछ दिन बाद रक्षाबंधन का पर्व मनाया जायेगा। रक्षाबंधन से एक माह पूर्व ही शहर में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर राखियां सजानी शुरु कर दी थी। व्यापारियों को उम्मीद थी कि कोरियर के माध्यम से भाईयों को राखी भिजवाने के लिए बहने खरीदारी के लिए उनके प्रतिष्ठानों में पहुंचेंगी। लेकिन, इस बार अन्य वर्षों की भांति व्यापारियों की उम्मीद परवान नहीं चढ़ पाई। अधिकांश बहनों ने ऑनलाइन प्लेटफार्म से ही राखी खरीदकर उसे अपने भाईयों तक पहुंचाना बेहतर समझा।

मुख्य डाकघर में भी केवल उन्हीं बहनों की भीड़ दिखाई दी। जिनके भाई भारतीय सेना में दूर दराज के क्षेत्र में तैनात हैं। जहां ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से राखी भेजना संभव नहीं था। व्यापारी मोहन सिंह, रोहन ने बताया कि पहले रक्षाबंधन से दो सप्ताह पूर्व ही बाजार में भीड़ होने लगती थी। लेकिन, अब ग्राहक सीधे मोबाइल पर आर्डर कर रहे हैं। हालांकि, व्यापारियों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन से कुछ दिन पूर्व ग्राहक खरीदारी करने के लिए बाजार अवश्य पहुंचेगा।

सर्वशक्तिमान है भगवान शंकर : आचार्य लखेड़ा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने कहा कि भगवान शंकर सर्वशक्तिमान हैं। भगवान शंकर की कृपा मात्र से मनुष्य के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। उमरावनगर के महाकालेश्वर मंदिर में नौ दिवसीय सार्वजनिक शिव पुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक आचार्य राकेश लखेड़ा ने यह बात कही। आचार्य लखेड़ा ने राजा दक्ष व भगवान शिव का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि एक बार भगवान शंकर अपने आसन पर बैठे हुए थे। इसी दौरान वहां प्रजापति दक्ष पहुंचे। शिव ने दक्ष को प्रणाम नहीं किया, जिससे क्रोधित होकर राजा दक्ष ने भगवान शिव की निंदा कर कहने लगे। कहा कि शिव ब्रह्म रूप है, ब्रह्म तत्व व्यापक। शिव सभी देवों में श्रेष्ठ है। उनके मस्तक पर ज्ञान रूपी गंगा है, जो अपनी निंदा सुनकर भी शांत रहती है। कहा कि जो सहनशील होता है वहीं महापुरूष होता है। इस मौके पर आचार्य देवेंद्र ध्यानी, आचार्य रोशन नौटियाल, आचार्य पंकज सुंद्रियाल, आचार्य गोविंद गौड, सौरभ नौडियाल, प्रकाश चंद्र देवरानी, अरविंद, अनुसुया बडोला, पंकज नेगी मौजूद रहे।

दिनचर्या में संस्कृत भाषा को भी अपनाएं

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मालिनी वैली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में संस्कृत भारती की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व अन्य लोगों को संस्कृत बोलने के तरीके बताए गए। साथ ही दिनचर्या में संस्कृत के शब्दों के प्रयोग की भी अपील की गई।

कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थियों व लोगों को संस्कृत भाषा के इतिहास के बारे में बताया गया। संस्कृत भाषा के नगर अध्यक्ष डा. रमाकांत कुकरेती, शिक्षक डा. कुलदीप मैंदोला, प्रधानाचार्य डा. संगीता नेगी ने संस्कृत भाषा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि संस्कृत हमारी देववाणी है। लेकिन, आज हम धीरे-धीरे इसे भूलते जा रहे हैं। हमें अपने जीवन में संस्कृत भाषा को भी अपनाना चाहिए। कहा कि हमारे सभी शास्त्र संस्कृत भाषा में ही है। हमें अपने बच्चों को भी संस्कृत बोलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस मौके पर मनमोहन काला, सत्य नारायण नौटियाल, दीपक गौड़, स्वेता रावत, डॉ. प्रभा जोशी, डॉ. हेमलता नेगी, नीलम बिष्ट, बीना रावत, मुकेश सुंद्रियाल, पंकज ध्यानी, इतेंद्र नैथानी, आंचल बिष्ट, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

हाईटेंशन विद्युत लाइन बनी दुर्घटना का सबब

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के बिलकेदार में 11 हजार केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन दुर्घटना का सबब बनी हुई है। घरों के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइनों से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। गुरुवार को बिलकेदार और नकोट के स्थानीय लोगों ने घरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाए जाने की मांग को लेकर विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग की कार्यशैली पर आक्रोश व्यक्त करते हुए जल्द अवासीय भवनों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइनों को अन्यत्र शिफ्ट किए जाने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान नगर निगम के पार्षद संदीप रावत, स्थानीय निवासी प्रेम सिंह, गोविंद सिंह, उपेंद्र रावत, आनंद सिंह, शंकर, देवेंद्र सिंह सहित आदि ने कहा कि विगत लम्बे समय से विद्युत विभाग से आवासीय भवनों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाए जाने की मांग की जा रही है, लेकिन विद्युत विभाग बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। कहा कि बुधवार को नकोट में एक आवासीय भवन में 11 हजार केवी की हाईटेंशन विद्युत लाइन टूट कर गिर गई, गनीमत रही कि कोई चपेट में नहीं आया। बताया कि इससे पूर्व भी 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से तीन लोग बुरी तरह से घायल हो गये थे, बावजूद इसके विद्युत विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। पार्षद संदीप रावत ने कहा कि वर्षों साल पुरानी हाईटेंशन विद्युत लाइनों को शिफ्ट किए जाने को लेकर कई बार विद्युत मंत्रियों एवं विभाग के अधिकारियों के सम्मुख भी रखा गया, लेकिन कोरे आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। कहा कि यदि जल्द से बिलकेदार-नकोट के आवासीय भवनों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइनों को नहीं हटवाया गया तो स्थानीय जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

पुल टूटने से पैठाणी के छात्रों के समक्ष परेशानी खड़ी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राष्ट्रीय राजमार्ग बुआखाल-रामनगर पर बुधवार को पाबौ के समीप पुल के टूट जाने से स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के कई गांवों और बाजारों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। वहीं राठ महाविद्यालय पैठाणी के छात्रों के समक्ष भी परेशानी खड़ी हो गई है।

इस पुल के टूट जाने के बाद जहां जिला मुख्यालय से कई गांवों और ग्रामीण बाजारों का संपर्क कट गया है, वहीं राठ महाविद्यालय पैठाणी के छात्रों को भी आवाजाही के लिए परेशानी हो गई है। इन दिनों राठ महाविद्यालय पैठाणी के छात्रों की बीएड की परीक्षाएं भी संचालित हो रही थी, लेकिन बुधवार को पुल के टूट जाने के बाद अब आवाजाही को लेकर छात्रों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। अभी पैठाणी पहुंचने वाले संपर्क मार्गों की भी हालत बेहद खराब है। राठ महाविद्यालय पैठाणी के 12 छात्रों की बीएड परीक्षा के लिए अब हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। राठ महाविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधीन ही आता है।

जलभराव रोकने को गंभीरता से करें काम

विधानसभा अध्यक्ष ने किया वार्डों का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अधिकारियों को जलभराव जैसी समस्या से निपटने के सख्त निर्देश दिए हैं। कहा कि इसके लिए समय-समय पर नालियों की सफाई होना आवश्यक है। साथ ही नाली-नालों के आसपास अतिक्रमण न हो इसका भी विशेष ध्यान रखें।

गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने देवी रोड में नहर में डाली जा रही होटल व प्रतिष्ठानों की गंदगी पर रोष व्यक्त किया। कहा कि शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में हो रहे जलभराव का भी निरीक्षण किया।

कोटद्वार में स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण करती विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण

विधानसभा अध्यक्ष ने बालासौड़, काशीरामपुर तल्ला, गोविंद नगर, पदमपुर व कौड़िया क्षेत्र का भ्रमण किया। कहा कि वर्षाकाल में जलभराव जैसी समस्या से निपटने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

कहीं भी जलभराव होने पर इसकी सूचना तुरंत विभागीय अधिकारियों को दें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को बदहाल सड़कों की मरम्मत करने के भी निर्देश दिए। कहा कि वर्षा के कारण कई सड़कें बदहाल हो गई हैं। ऐसे में जनता को परेशानी न हो इसके लिए जल्द से जल्द इनकी मरम्मत करवाई जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान देवी रोड में नहर में डाली जा रही गंदगी पर विस अध्यक्ष ने नाराजगी जताई। साथ ही विभाग को नहर में गंदगी डालने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर नगर आयुक्त पीएल शाह, लोनिवि के अधिशासी अभियंता निर्भय सिंह, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल राठौर आदि मौजूद रहे।

नवीन छात्र-छात्राओं का किया स्वागत

कालेज के शैक्षणिक नियमों और प्लेसमेंट की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज की ओर से संस्थान के विभिन्न कोर्सों में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले नवीन छात्र-छात्राओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें कॉलेज की शिक्षा व्यवस्थाओं और नियमों की जानकारी दी गई।

आईएचएमएस संस्थान में नवीन छात्रों का स्वागत करते विद्यार्थी

बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित कॉलेज परिसर में सुबह पहले सभी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर और कॉलेज का प्रोस्पेक्टस देकर स्वागत किया गया। इसके बाद कालेज के सभागार में आयोजित समारोह का प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा सहित सभी विभाध्यक्षों ने दीप प्रज्लित कर शुभारंभ किया। इसके बाद छात्रों को गढ़वाल राइफल्स के संस्थापक लॉट सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी की बायोग्राफी मूवी दिखाई गई। काउंसलर सोनिया बिष्ट ने कॉलेज में संचालित एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीसीए, बीएससी आईटी, बीएचएम और सीएचएम और कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा ने कॉलेज के नियम कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले 19 वर्षों से आईएचएमएस कॉलेज सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है। इस कालेज से शिक्षा लेकर निकले सैकड़ों छात्र देश और विदेश में अव्वल श्रेणी के विभिन्न संस्थानों में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज को बेहतर शिक्षा के लिए संचालित किया जाता है, यहां पर किसी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से पाबंदी है। प्लेसमेंट हेड रोबिन त्यागी ने छात्र-छात्राओं को कॉलेज में होने वाले प्लेसमेंट और कॉलेज से अनुबंधित कंपनियों की विस्तृत जानकारी दी। अगले दिनों में छात्र-छात्राओं में मैत्री पूर्ण माहौल बनाने के लिए इनडोर और आउटडोर खेलों का संचालन किया गया, जिसमें नवीन छात्र-छात्राओं ने रुचि पूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कॉलेज के जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, एडमिशन इंचार्ज विजय पंत, आईक्यूएससी इंचार्ज प्रवीन त्रिपाठी, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष सुरेंद्र जगवान, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष वीरेंद्र आर्य सहित सभी प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा परिधि बिष्ट और वैदेही डोगरा ने किया।

छात्रों ने भाषण, निबंध और पोस्टर के माध्यम से दिया नशा मुक्त भारत का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत गुरूवार को राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग रुद्रप्रयाग द्वारा किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं के बीच भाषण, निबंध व पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिताएं कराई गईं।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर हिमानी बीएससी तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर सुमन बीबीए प्रथम वर्ष और तृतीय स्थान पर प्रियंका बीए द्वितीय वर्ष रहीं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिया बीए प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान रिया बीएससी प्रथम वर्ष तथा तृतीय स्थान सोनिया बीए तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता में बेबो बीए प्रथम वर्ष ने प्रथम, खुशी बीबीए तृतीय वर्ष ने द्वितीय व नेहा बीए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता छात्राओं को समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 120 छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाफ ने भाग लेकर नशे के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी टी.आर. मलेठा, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आशुतोष त्रिपाठी, नशा मुक्ति प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. रजनी डोबरियाल, सहायक समाज कल्याण अधिकारी धीरज बुटोला आदि उपस्थित रहे।

रुद्रप्रयाग में राशन कार्डों का डोर-टू-डोर सत्यापन शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना अन्त्योदय प्राथमिक परिवार और राज्य खाद्य योजना के अंतर्गत जारी सभी राशन कार्डों/यूनिटों का डोर-टू-डोर सर्वेक्षण एवं सत्यापन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह कार्य गठित सत्यापन टीमों द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत परिवार की मासिक आय 15,000 रुपये से कम और राज्य खाद्य योजना के तहत वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम होने पर ही योजना का लाभ लिया जा सकता है। निर्धारित सीमा से अधिक आय वाले परिवार योजना के अंतर्गत अपात्र माने जाएंगे। जिन परिवारों की वर्तमान आर्थिक स्थिति सुधर चुकी है और वे अब पात्रता की सीमा में नहीं आते वे स्वेच्छा से अपना राशन कार्ड सत्यापन टीम पूर्ति निरीक्षक, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, विकास खंड कार्यालय या जिला पूर्ति कार्यालय में समर्पित कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन के दौरान यदि कोई राशन कार्ड धारक अपात्र पाया जाता है तो उसके विरुद्ध राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वितरित खाद्यान्न की वसूली बाजार दर पर की जाएगी। यह अभियान पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और अपात्रों की पहचान के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। सभी नागरिकों से ईमानदारी पूर्वक सहयोग की अपेक्षा की जाती है, ताकि जनहितकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंचे।

भालू के हमले में युवक गंभीर, रेफर

चमोली : नारायणबगड़ के ग्राम भगोती निवासी एक युवक झिंझोणी गांव के समीप भालू की हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं साथियों के द्वारा घायल को प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। नारायणबगड़ विकासखंड के ग्राम सभा भगोती निवासी हरपाल सिंह पुत्र अवल सिंह 45 वर्ष गुरुवार दोपहर के समीप गांव की पानी की लाइन को जोड़ने के लिए झिंझोणी गांव के निकट अपने साथियों के साथ थे। तभी भालू ने हरपाल सिंह पर हमला कर दिया गया। हरपाल के शोर मचाने पर शिक्षक कमलेश नेगी ने तुरंत लाठी से भालू पर हमला कर दिया। इससे भालू भाग गया और हरपाल सिंह की जान बच गई।

वीर शहीद मंदीप सिंह रावत को किया याद

आयोजित कार्यक्रम में शहीद के स्वजनों को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जानकीनगर स्थित रतेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीद मंदीप सिंह रावत को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कहा कि देश की रक्षा के लिए दिया गया मंदीप का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

गुरुवार को विद्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती व मंदीप सिंह की माता सूमा देवी, मीनाक्षी शर्मा, शिवम नेगी ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। आचार्य रोहित बलोदी ने विद्यार्थियों को मंदीप सिंह के जीवन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन जम्मू कश्मीर के गुरेज सेक्टर के बांदीपुर में आतंकवादियों से लड़ते हुए देश की रक्षा करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने वीरता व साहस का परिचय देते हुए एलओसी में दो आंतकवादियों को मार गिराते हुए घुसपैठ को नाकाम कर दिया था।

प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने मंदीप सिंह की स्मृति में प्रति वर्ष विभिन्न स्तर की प्रतियोगिता करवाए जाने की घोषणा की गई। इस मौके पर उत्कर्ष नेगी, सौरभ धूलिया, सुशांत कोहली, रूपेश पंत, नैंसी रावत, ऋतु रावत, शालिनी नेगी, ईशा चौधरी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, ई.वी चार्जिंग कम पार्किंग, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल, मेडिकल आउटलेट, पूजा सामग्री काउंटर, डिजिटल लाकर एवं स्लीपिंग पॉड्स के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ **website: www.ireps.gov.in** पर दिनांक **22.08.2025** को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2407/2025

नेगी परिवार ने तीन पीढ़ी से संभाल रखी है गांव की सरकार की बागडोर

जगमोहन डांगी

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल की ग्राम पंचायत सुतार गांव में श्रीपाल सिंह नेगी का परिवार पिछली तीन पीढ़ी से ग्राम पंचायत में प्रधान की कमान संभाल रहा है। आरक्षित के चलते एक दो बार ही किसी अन्य को पंचायत की कमान संभालने का अवसर मिला होगा।

पहले श्रीपाल सिंह नेगी के दादा स्वर्गीय अवतार सिंह नेगी ग्राम प्रधान हुआ करते थे। फिर उनकी विरासत भगत सिंह ने संभाली। विगत कई वर्षों से स्वयं श्रीपाल सिंह नेगी ने प्रधान पद की जिम्मेदारी संभाली है। एक दशक बाद एक बार फिर श्रीपाल सिंह नेगी को सुतार गांव की जनता ने ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी है। श्रीपाल सिंह नेगी स्वयं दो बार ग्राम प्रधान, एक बार उनकी पत्नी श्रीमती चंद्रकला नेगी प्रधान पद रही है। जबकि 2014 में क्षेत्र पंचायत सीट असगढ़ से श्रीपाल सिंह नेगी क्षेत्र पंचायत सदस्य भी रहे है। एक समय वह ब्लॉक प्रमुख महेंद्र सिंह राणा के सबसे करीबी हुआ करते थे। श्रीपाल नेगी ऐसे जनप्रतिनिधि है, जो गांव की सरकार की विरासत को संभालने के लिए परिवार छोड़कर अकेले गांव में रहते है। वह गांव में स्वयं कृषि, बागवानी, पशुपालन करते है। जबकि उनकी पत्नी जौनपुर कोटद्वार में घर और दुकान संभालती है। वह एक अनुभवी पंचायत प्रतिनिधि है, जिसका लाभ उनकी ग्राम पंचायत को मिलेगा। साथ ही वह जनता की जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर तैयार रहते है।

धराली आपदा के तीन घायल एम्स में भर्ती

ऋषिकेश। उत्तरकाशी के धराली में आई आपदा के बाद रेस्क्यू किए गए तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश के ट्रामा सेन्टर में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार तीनों घायलों की हालत में सुधार है। बीते बुधवार की देर रात उत्तरकाशी से ती घायलों को सड़क मार्ग से एम्स ऋषिकेश लाया गया। उन्हें उपचार के लिए एम्स के ट्रामा सेन्टर में भर्ती कराया गया,

रक्षाबंधन पर देवी को चढ़ाई जाएगी खीर

रुद्रप्रयाग : प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां हरियाली देवी के कांठा स्थित मंदिर में रक्षाबंधन के मौके पर ग्रामीणों द्वारा खीर चढ़ाई जाएगी। वर्षों पुरानी परम्परा का आज भी ग्रामीणों द्वारा निर्वहन किया जाता है। 9 अगस्त को ग्रामीण 8 किमी. पैदल चलकर हरियाली कांठा पहुंचेंगे, जहां वैदिक मंत्रोचारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न गांवों से एकत्रित दूध की खीर बनाकर भोग के रूप में मां हरियाली को चढ़ाया जाएगा। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर हरियाली मां के कांठा मंदिर में दूध के खीर का भोग लगाने की परम्परा है। रक्षाबंधन पर जसोली, कोदिमा, पावौ, घंडियलाका व ग्वेफड के ग्रामीण सुबह मां के कांठा मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। करीब 8 किमी. की पैदल यात्रा के बाद मंदिर में पूजा अर्चना की जाएगी जिसके बाद देवी को खीर का प्रसाद भोग लगाया जाएगा। इसके लिए ग्रामीणों ने तैयारियां शुरू कर दी है। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

- मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 35 एस.एल.आर गाड़ी सं: 14320 (F-I, F-II, R-I),, 14236 (F-I, F-II), 14321 (F-I), 14718 (F-I, F-II, R-I), 12091 (F-I, F-II, R-I), 14315 (F-I, F-II, R-I), 14605 (F-I), 12037 (F-I), 15120 (F-I), 12018 (F-I) 14887 (F-I, F-II,R-I) 14304 (F-I,F-II,R-I), 14306 (F-I, F-II, R-I), 14314 (F-I,F-II,R-I), 18478 (R-I), 12328 (F-I), 13010 (F-I), 19032 (R-I), के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 20.08.25 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।
- मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 34 एस. एल. आर: गाड़ी सं 14816 (F-I, F-II, R-I), 19566 (F-I, F-II, R-I), 12912 (F-I), 14308 (F-I, F-II, R-I), 14631 (F-I, F-II, R-I), 14230 (F-I, F-II, R-I), 12056 (F-I), 14310 (F-I), 14042 (F-I, F-II, R-I), 14120 (F-I), 14090 (F-I, F-II, R-I), 14318 (F-I), 15019 (F-I), 19272 (F-I), 14311 (F-I),14609 (F-I), 12402(F-I), 19610 (R-I), 15006 (F-I,R-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 21.08.25 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2401/25

संक्षिप्त समाचार

सभासदों ने तालाबंदी की दी चेतावनी

नई टिहरी : नगर पालिका परिषद देवप्रयाग के कामकाज से नाराज नव निर्वाचित सभासदों ने 10 दिन के भीतर स्थिति में सुधार न होने पर पालिका कार्यालय के बाहर धरना व तालाबंदी की चेतावनी दी है। सभासदों ने ईओ व अन्य अधिकारियों पर सात महीने से निष्क्रिय बने रहने का आरोप लगाया है। ईओ राहुल भंडारी को दिये ज्ञापन में सभी सभासदों ने उनके वार्ड में साफ-सफाई, छिड़काव, झाड़ी कटान जैसे बुनियादी कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाया है। जिससे जनता में खासा रोष बना है। इसके अलावा शांता गदेरे की सफाई न होने, दलित बस्ती धर्मपुर व कृष्ण चौरी के टूटे रास्तों, पुश्तों की मरम्मत व बाह बाजार क्षेत्र के सभी कामो के धीमी गति से होने पर सवाल उठाए हैं। सभासदों ने अवर अभियंता की नियुक्ति में देरी, अधूरे टेंडर, बंद पड़े सार्वजनिक शौचालयों को लेकर भी गहरी नाराजगी जताई है। सभासदों ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिन के भीतर इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह 17 अगस्त से नगर पालिका कार्यालय के बाहर धरना व तालाबंदी कर आंदोलन शुरू करेंगे। ज्ञापन देने वालों में सभासद राहुल कोटियाल, संगीता ध्यानी, सुनीता तिवारी व विमल मिश्रा शामिल रहे।

अधिकारियों ने दिया फिट इंडिया, ग्रीन इंडिया का संदेश

नई टिहरी : प्रधानमंत्री के फिट इंडिया, ग्रीन इंडिया अभियान के तहत जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल समेत कई अधिकारियों ने पैदल कार्यालय पहुंचकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण से निपटने के लिए जागरूक किया। डीएम के निर्देश पर अब कर्मचारी-अधिकारी सप्ताह में प्रत्येक वीरवार को कार्यालय आवागमन के लिए वाहनों का उपयोग नहीं करेंगे। गुरूवार को डीएम नितिका खंडेलवाल, सीडीओ अरुणा अग्रवाल, डीडीओ मो. असलम, सीएमओ डॉ. श्याम विजय से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर कर्मचारी अपने आवासों कार्यालयों तक पैदल आए। साथ ही लंच से लेकर सांय को घर आते वक्त भी पैदल ही आए। कर्मियों ने वाहनों का प्रयोग न कर नो व्हीकल डे मनाया। डीएम ने बताया कि सप्ताह में एक दिन पैदल चलने से देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के फिट इंडिया, ग्रीन इंडिया अभियान को मजबूती मिलेगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण मुक्त अभियान को आगे बढ़ेगा। जबकि व्यक्ति भी पैदल चलने से फिट रहेगा। कहा कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना है। कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव है। उन्होंने सभी अधिकारियों, नागरिकों से पर्यावरण हित में अधिकाधिक भागीदारी निभाने की अपील की।

काणाताल-सनगांव मार्ग को 1.7 करोड़ स्वीकृत

नई टिहरी : मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल काणाताल-सनगांव मोटर मार्ग को स्वीकृति मिल गई है। इस मोटर मार्ग के लिए शासन ने 1.70 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं। यह जानकारी देते हुए टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने बताया कि इस सड़क का निर्माण शीघ्र ही प्रारम्भ हो जायेगा।

विधायक ने बताया कि लंबे समय से ग्रामीण इस सड़क की मांग कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने सीएम से आग्रह किया था और सीएम ने घोषणा कर इस सड़क को बनवाने का भरोसा दिया था। सड़क की स्वीकृति को लेकर बीती चार अगस्त को संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह पतियाल ने जीओ जारी कर प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति देते हुए बताया कि 4.78 किमी. लंबी इस सड़क को स्वीकृति दे दी गई है।

स्थानीय लोगों ने सड़क की स्वीकृति पर विधायक किशोर व सीएम धामी का आभार जताया है। विधायक उपाध्याय ने कहा कि उन्होंने 2002 से 2005 के मध्य जितनी सड़कें चंबा-थौल धार-जाखणी धार ब्लाक में संघर्ष कर स्वीकृत करवाई। जिनमें कई सड़कें आज भी निर्माणाधीन हैं। कई शुरू भी नहीं हो पाई हैं। जिसमें ठांगधार-थौल धार सड़क और कैंथोली-चन्द्रबदनी, कांडीखाल-चन्द्रबदनी आदि सड़के भी हैं। बनी हुई सड़कों को सही ढंग से रखरखाव नहीं हो पा रहा है।

चिन्यालीसौड़ में तैनात रहेंगे चिनूक और एमआई-17

देहरादून : राहत और बचाव कार्यों को गति देने के लिए भारतीय सेना द्वारा उपलब्ध कराए गए चिनूक तथा एमआई-17 को चिन्यालीसौड़ में ही तैनात किया जाएगा, ताकि देहरादून से लग रहे अतिरिक्त समय को कम किया जा सके। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने इस संबंध में गुरुवार को बैठक के दौरान निर्देश दिए।

बदरीनाथ एनएच भनेरपानी के पास भूस्खलन से बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भनेरपानी के पास भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण यातायात बाधित हो गया। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि मौके पर यातायात को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोपरि है, इसलिए कार्य में कोई लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान मार्ग पर फंसे तीर्थयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते एसडीएम जोशीमठ द्वारा प्रभावित यात्रियों के लिए भोजन, पानी की समुचित व्यवस्था की जा रहीं है। साथ ही, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहराने की व्यवस्था भी की जा रही है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि प्रशासन की निगरानी में लगातार राहत एवं मरम्मत कार्य किया जा रहा है। मार्ग को शीघ्र ही सामान्य करने के प्रयास जारी हैं, फिलहाल के लिए यात्रा रोक दी गयी है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

लोहाघाट के कोलीढेक में नदी महोत्सव हुआ

चम्पावत। कोलीढेक झील में जिला प्रशासन ने नदी महोत्सव का आयोजन किया। इस दौरान एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण किया गया। लोगों को नदियों के संरक्षण की जानकारी दी। गुरुवार को कोलीढेक झील में नदी महोत्सव हुआ। इस दौरान कोलीढेक झील परिसर में सफाई, पौधरोपण, विचार गोष्ठी और जागरुकता सत्र हुआ। डीएम मनीष कुमार ने कैच द रेन अभियान, वर्षा जल संरक्षण और लोहावती नदी के संरक्षण पर जोर दिया। कहा कि राज्य सरकार और भारत सरकार की कैच द रेन और अमृत सरोवर योजनाएं जल संचयन को बढ़ावा दे रही हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत लोहावती नदी के संरक्षण के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है। एडीएम जयवर्धन शर्मा ने जल प्रबंधन को आज की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए पौधारोपण करने की अपील की। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष गोविंद वर्मा, चित्रा जोशी, ईओ सौरभ नेगी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी आनंद सिंह गुंसाई, बीडीओ कवींद्र रावत आदि मौजूद रहे।

10 अगस्त को आयोजित होगा संस्कृत ग्राम कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

-मुख्यमंत्री करेंगे देहरादून के भोगपुर से कार्यक्रम का शुभारंभ

-चमोली से डिम्मर गांव को किया गया है संस्कृत ग्राम घोषित

चमोली : उत्तराखंड राज्य की द्वितीय राजभाषा संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु सभी जनपदों में एक-एक संस्कृत ग्राम घोषित किए गए हैं। आगामी 10 अगस्त को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा देहरादून के संस्कृत ग्राम भोगपुर से संस्कृत ग्राम कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। जबकि अन्य जनपद वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुडेंगे।

जनपद चमोली के लिए कार्यक्रम हेतु नामित सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा डॉ. चण्डी प्रसाद घिल्डियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विकासखंड कर्णप्रयाग के डिम्मर गांव को संस्कृत ग्राम घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा के प्रचार और प्रसार के लिए सरकार पूरा प्रयास कर रही है। विगत कुछ महीनों से संस्कृत ग्राम में संस्कृत प्रशिक्षकों द्वारा ग्रामीणों को सरल संस्कृत भाषा का अभ्यास निरंतर कराया जा रहा है। कहा कि वहां पर गांव में ही संस्कृत के प्राथमिक विद्यालय की भी स्थापना की जानी है, इससे द्वितीय राजभाषा संस्कृत के प्रचार-प्रसार में मजबूती आएगी। साथ ही स्थानीय युवा वर्ग को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सुचारू रूप से चलने के लिए डॉ. माताराम पुरोहित प्राचार्य श्री बद्री कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय सिमली को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कहा कि मुख्य शिक्षा अधिकारी चमोली को भी पत्र भेज दिया गया है कि माध्यमिक शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा के लोग भी उस दिन वहां मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को आयोजित उक्त कार्यक्रम में डिम्मर गांव से स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण जुड़ेंगे। प्रातः 10:30 बजे आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ऋषि प्रसाद सती (उपाध्यक्ष बीकेटीसी), विशिष्ट अतिथि रमेश गडिया, मोहन प्रसाद डिमरी द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। साथ ही ग्राम प्रधान श्रीमती विनीता डिमरी व ग्रामीणों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपादित किया जाएगा।

1 साल से थे दाखिल खारिज को परेशान, डीएम के संज्ञान में आते ही हुआ समाधान

देहरादून। ओगल भट्टा निवासी किरन देवी ने 01 अगस्त 2025 को जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी सविन बसंल को फरियाद सुनाते हुए बताया कि उनके पति अर्द्धसैनिक बल में कार्यरत हैं तथा उन्होंने जून 2024 में भूमि क्रय की किन्तु 1 वर्ष के बाद भी भूमि उनके नाम दाखिल खारिज नही हुआ है। दाखिल खारिज के एवज में वकील, पीएनबी एजेंट ने आदि सभी बरगला रहे हैं तथा काई सही जवाब नही दे रहे है।

जिलाधिकारी के संज्ञान में आते ही उन्होंने तहसीलदार विकास से उसी दिन अद्यतन रिपोर्ट तलब की जिस पर वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए डीएम के निर्देश पर महिला के नाम 03 दिन के भीतर दाखिल खारिज आदेश करते हुए भूमि महिला के नाम अंकित हो गई।

किरन ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई थी उनके द्वारा शीशमबाड़ा में जून 2024 में 0.00082 हे0 भूमि क्रय की गई थी किन्तु वकील व दफ्तरों के चक्कर काटने के बाद भी भूमि का दाखिल खारिज नही हो रहा है। इसलिए जिलाधिकारी से ही उम्मीद बची है। डीएम ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए तहसीलदार विकासनगर को आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। मामला डीएम के संज्ञान में आते ही 03 दिन के भीतर तहसील से दाखिल खारिज के आदेश हो गए है।

अवकाश अवधि का मानदेय देने की मांग

चम्पावत। माध्यमिक अतिथि शिक्षक एसोसिएशन ने ग्रीष्म और शीतकालीन अवकाश अवधि का मानदेय देने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने कैंप कार्यालय के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। गुरुवार को चम्पावत में अतिथि शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि वे विगत दस वर्षों से दुर्गम और अति दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

कहा कि दिसंबर 2024, जनवरी, मई व जून 2025 में ऑनलाइन शिक्षण कार्य किया। लेकिन उनके मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। जबकि नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और देहरादून के सीईओ ने मानदेय के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने चम्पावत जिले में भी भुगतान करने की मांग की है।

आपदाओं से निपटने की नहीं कोई तैयारीः गरिमा

देहरादून। कांग्रेस ने उत्तरकाशी धराली आपदा प्रबंधन को लेकर सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाए। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि आपदाओं से निपटने की सरकार की कोई तैयारी नहीं है।

आपदा प्रबंधन की वेबसाइट पर सरकार की ओर से किए गए बड़े बड़े दावे धरातल पर गायब हैं। प्रवक्ता गरिमा ने कहा कि उत्तरकाशी आपदा के दौरान आपदा प्रबंधन मशीनरी पूरी तरह से विफल रही है। आपदा प्रबंधन से जुड़े जिन आधुनिक उपकरणों, तकनीक का दावा वेबसाइट पर किया गया है, वे सिर्फ दिखावा हैं। उत्तराखंड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर नेशनल लैंडस्लाइट रिस्क मिटिगेशन सिस्टम, अर्ली वार्निंग सिस्टम उपलब्ध होने का दावा किया गया है। यदि ये तमाम सिस्टम मौजूद हैं, तो आपदा के समय पूर्वानुमान और चेतावनी क्यों नहीं मिल रही हैं। आरोप लगाया कि राहत शिविरों की कमी, मलबे में दबे लोगों को निकालने में देरी और जिम्मेदार अधिकारियों की गैरमौजूदगी ने लापरवाही को उजागर किया है।

कहा कि एक ओर उत्तरकाशी में लोग त्रासदी से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार के मंत्री, विधायक राखी बंधवाने और रंगारंग कार्यक्रम आयोजित करने में व्यस्त हैं। इसे भाजपा की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा बताया। कहा कि आपदा के समय भी लोगों की पीड़ा को महसूस नहीं किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग में आपदा को देखते हुए छुट्टियों पर लगाई रोक

देहरादून। शिक्षा विभाग ने आपदा को देखते हुए अफसरों, शिक्षकों और कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। विकासखंड, जिला और राज्य स्तर पर बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए हैं। छात्र-छात्राओं को भी स्कूल को छोड़कर अन्यत्र स्थानों पर एकत्रीकरण नहीं करने आदेश दिए गए हैं। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने शिक्षा महानिदेशालय में बुधवार को अफसरों के साथ आपदा में स्कूलों, छात्राओं कौर शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर बैठक की थी। बैठक के बाद शिक्षा महानिदेशक दीप्ति सिंह ने छुट्टियों पर रोक के आदेश जारी किए। दीप्ति सिंह ने बताया कि शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक अपने-अपने तैनाती स्थल पर बने रहेंगे। जनहित और कार्मिकों की सुरक्षा को देखते हुए कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। अपरिहार्य स्थिति में संबंधित सक्षम अधिकारी से एक स्तर ऊपर अधिकारी की स्वीकृति के बाद ही अवकाश मिलेगा। इधर, विभाग ने स्कूलों के लिए आपदा से बचाव को लेकर एसओपी जारी कर दी है। एसओपी में यह स्पष्ट किया गया है कि छात्रों को स्कूल से बाहर किसी दूसरे स्थान पर किसी भी गतिविधि के लिए नहीं जुटाया जाए। स्थानीय स्तर के अलावा विकासखंड, जिला और राज्य स्तर पर होने वाले छात्रों के एकत्रीकरण को फिलहाल रोकने के आदेश दिए गए हैं। शिक्षकों के स्कूलों से दूर शहरों से आवागमन पर सख्ती विद्यालयी शिक्षा निदेशक डॉ.मुकुल कुमार सती की ओर से जारी एसओपी में शिक्षकों को स्पष्ट आदेश किए गए हैं कि वह स्कूल के सबसे नजदीकी बसावट में ही अपनी आवासीय व्यवस्था करें। स्कूल से ज्यादा दूरी से आने-जाने वाले शिक्षकों को तय नियमों का पालन करने के लिए कहा गया है। साथ ही दिव्यांग छात्रों को आवश्यकतानुसार अवकाश देने के लिए कहा गया है। साथ ही भारी बारिश की चेतावनी पर जिला प्रशासन की ओर से छुट्टी के आदेशों का सख्ती से पालन करने और छुट्टी की सूचना समय पर छात्रों और अभिभावकों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित करना होगा। आपदा से क्षतिग्रस्त या दुर्घटना संभावित स्कूलों को भी तुरंत शिफ्ट करने के आदेश दिए गए हैं।

प्राचार्य ने पांच टीबी के मरीज गोद लिए

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल की प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने प्रधानमंत्री निक्षय मित्र योजना के तहत टीबी के पांच मरीज गोद लिए है। वह इलाज होने तक उनके पोषण का इंतजाम करेगी और उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखेगी। उन्होंने पांचों मरीजों को अस्पताल में आयोजित एक अनौपचारिक कार्यक्रम में पोषण किट भेंट की। एचओडी टीबी चेस्ट डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि टीबी को 2025 में खत्म करने के लक्ष्य को लेकर उत्तराखंड काफी आगे बढ़ रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर काफी मरीजों को गोद लिया जा रहा और टीबी खोज अभियान सक्रियता से चल रहा है। इस दौरान डीएमएस डॉ. एनएस बिष्ट, डॉ. मानवेंद्र गर्ग और डॉट्स सेंटर प्रभारी किरण थापा आदि मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को बांटे प्रमाण पत्र

विकासनगर। उत्तराखंड अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ विकास निगम और सनराइज एजुकेशनल एंड कल्चरल एंपावरमेंट सोसायटी के माध्यम से डांडा जीवनगढ़ में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को निशुल्क ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया गया। गुरुवार को लाभार्थी महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिससे महिलाएं स्वरोजगार कर अपनी जीविका बढ़ा सकें। कार्यक्रम का संचालन और प्रमाण पत्र का वितरण संस्था अध्यक्ष रींकी भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में वाजिदा, अमरिन, मोबिना, फरीदा, आजरा, तब्बसुम मौजूद रहीं।

काशीपुर के हिम्मतपुर में बाढ़ का पानी हुआ कम

काशीपुर। हेमपुर इस्माइल हिम्मतपुर में गुरुवार को बाढ़ का पानी कम हो गया। वहीं प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित और जलभराव वाले क्षेत्रों का ड्रोन सर्वे कराया। साथ ही एडीएम ने भी निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बुधवार को लगातार हो रही बरसात से हिम्मतपुर में करीब 100 परिवार बाढ़ में फंस गए थे।

देर शाम तक 18 परिवारों के करीब 130 लोगों को गांव के ही प्राइमरी विद्यालय में शिफ्ट किया था। गुरुवार को हिम्मतपुर में बाढ़ का पानी कम हुआ तो राहत केंद्रों में शरण लिए कई परिवार दोपहर का भोजन कर अपने घरों को लौट गए। वहीं काशीपुर पहुंचे एडीएम पंकज उपाध्याय ने स्थानीय अधिकारियों के साथ हिम्मतपुर का दौरा किया। साथ ही बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र व जलभराव वाले स्थानों का ड्रोन सर्वे किया गया। तहसीलदार पंकज चंदोला ने बताया कि चार परिवारों के घरों में पानी है जिन्हें शाम को राहत केंद लाया जाएगा। वहीं हिम्मतपुर, मनकामेश्वर कालोनी, साईं धाम कालोनी आदि का ड्रोन सर्वे किया गया है। एडीएम द्वारा सुनियोजित तरीके से ड्रेनेज प्लॉन तैयार करने को कहा गया है। जिससे जलभराव से निजात मिल सके। महादेव नहर टूटी, खेतों में घुसा पानीः महादेव नहर ओवरफ्लो होने से खोखरा मंदिर के पास नहर टूट गई। जिससे नहर का पानी तेज बहाव के साथ खेतों में घुसने लगा। सूचना पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। टीम ने युद्ध स्तर पर टूटी नहर को सही करने का काम शुरू कर दिया। वहीं नहर का पानी खेतों में घुसने से किसानों की कई एकड़ फसल बर्बाद हो गई। एसडीएम ने बताया कि बहाव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

ढकिया नं. तीन में कई एकड़ जमीन बही बाजपुर में ढकियानंबर तीन में बरसाती नाले से हुए कटाव का भाजपा नेता राजेश कुमार ने निरीक्षण कर डीएम से फोन पर वार्ता कर कटाव के बारे में जानकारी दी।

बाजपुर की बीडीसी पर लगाया बच्चों की संख्या छुपाने का आरोप

काशीपुर। गुरुवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचे मुडिया कला के ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायत्री पत्र सौंपकर एक क्षेत्र के निर्वाचित बीडीसी पर झूठे साक्ष्यों के आधार पर चुनाव में उतरने और चुनाव जीतने का आरोप लगाया है। एसडीएम ने तहसीलदार और खंड विकास अधिकारी को साक्ष्यों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण फ़िरासत अली ने आरोप लगाया कि नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य ने अपने बच्चों की संख्या छुपाई है। आरोप लगाया कि उन्होंने सभी बच्चों को दस्तावेज में नहीं दिखाया क्योंकि उनके 5 बच्चे हैं, लेकिन उन्होंने चुनाव में अपने दो ही बच्चे दर्शाए हैं।

गोल्डनकार्ड की सुविधा ने देने से संगठन खफा

ऋषिकेश। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन शाखा ऋषिकेश ने अस्पतालों में गोल्डन कार्ड सुविधा नहीं मिलने के साथ अधिकारी-कर्मचारियों की उपेक्षा पर नाराजगी जताई है।

चेताया कि सरकार ने उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा। गुरुवार को राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश में संगठन ने बैठक की। जिसकी अध्यक्षकता अभिषेक नवानी ने की। संघ ने गोल्डन कार्ड की विसंगतियों पर चर्चा की। अध्यक्ष अभिषेक नवानी ने कहा कि राज्य में वेतन से प्रत्येक माह कटौती के उपरांत भी संबंधित अस्पताल द्वारा गोल्डन कार्ड सुविधा नहीं दी जा रही है, जिससे न सिर्फ ऋषिकेश के बल्कि पूरे राज्य के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक परेशान है। संघ के शाखा सचिव थलवाल ने कहा कि एक तरफ तो सरकार कैशलैस सुविधा की बात कर रही है, जबकि वास्तविकता में गोल्डन कार्ड स्वीकार ही नहीं किया जा रहा है। संरक्षक वाईके घिल्डियाल ने कहा कि पुरानी पेंशन पुनः की भांति बहल की जाए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि एसीपी 10, 16, 26 में प्राप्त होनी चाहिए। सरकार को जल्द शासनादेश जारी करना चाहिए।

इसरो वैज्ञानिकों से मिला ज्ञान, बच्चों में दिखा अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर उत्साह

हरिद्वार। केंद्रीय विद्यालय भेल में गुरुवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर इसरो के वैज्ञानिकों की टीम ने छात्रों से संवाद कर अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों को साझा किया। प्राचार्य बृजेशपाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर इसरों के वैज्ञानिकों डॉ. हरिशंकर श्रीवास्तव, डॉ. पुनीत स्वरूप, डॉ. आशुतोष भारद्वाज और डॉ.जावेद अकरम को पौधे भेंट किए। उन्होंने छात्रों को संबोधित कर कहा कि आज जो ज्ञान आप प्राप्त करेंगे, वह आपके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की सफलता, अंतरिक्ष विज्ञान के उपयोग, सैटेलाइट्स की कार्यप्रणाली और आपदा प्रबंधन में इसके महत्व को सरल भाषा में समझाया। डॉ. हरिशंकर ने छात्रों को बताया कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल ग्रह-नक्षत्रों तक सीमित नहीं, बल्कि यह खेती, मौसम, संचार और आपदा चेतावनी जैसे कई क्षेत्रों में जीवन रक्षक साबित हो रहा है। इस दौरान इसरो की ओर से भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई।

एलएलबी के छात्रों ने ग्रामीणों को कानूनी की जानकारी दी

हरिद्वार। पंडित पूर्णानंद तिवारी लॉ कॉलेज के एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र -छात्राओं ने गुरुवार को अम्बेडकर पार्क आन्नेकी में विधिक जागरूकता शिविर लगाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मोटर दुर्घटना, दहेज हत्या, साइबर अपराध, उपभोक्ताओं के अधिकार, घरेलू हिंसा, सोशल मीडिया कानून, पॉक्सो कानून, श्रम कानून, आत्मरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर ग्राम वासियों को जागरूक किया। इनमें शशिकांत, अंजली, जॉर्ज, प्रभांस मिश्रा, रोहन, सिद्धार्थ, अजय सर्वश्व,भारती शिल्पा, इरम, जाह्नवी, खुशबू, प्रियंका, नैंसी, सबरीन, इंदू, सानिया, सलोनी, अभिजीत, पूजा, निशा, शशि देवी, शाहिद, देवांग, अभिषेक, सितू, सादिक, सिमरन, महेश, सोनम, तनीषा, दीपक, कमल, आकाश, अनमोल, अजय, नंदकिशोर, नीरू, विक्की, सीमा, कार्तिक, अभय, नेहा, अनुज, सचिन, अनस, प्रवेश आदि शामिल थे। संचालन नेहा ठाकुर ने किया। इस दौरान प्राचार्य अशोक कुमार तिवारी, प्रबंधक कमल शर्मा, निदेशक शिवम शर्मा, नेहा शर्मा, शैलजा शर्मा, शिक्षक शीतल चौहान,नीलू, दिव्यांश आदि उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर शहीद हमीर को किया याद

ऋषिकेश। वीर अमर शहीद हमीर पोखरियाल की 7वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल समेत तमाम लोगों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुवार को गुमानीवाला भट्टोवाला में आयोजित कार्यक्रम में अग्रवाल ने कहा कि हमीर पोखरियाल सात अगस्त 2018 को जम्मू कश्मीर में एक आतंकी मुठभेड़ में शहीद हुए थे। भारतीय सेना की घातक प्लाटून में तैनात शहीद हमीर पोखरियाल की सैन्य टुकड़ी ने सात आतंकवादियों को मार गिराया था। इस मुठभेड़ में हमीर पोखरियाल सहित तीन जवान शहीद हो गए थे। अग्रवाल ने कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवान जहां भारत माता की आन, बान और शान और सुरक्षा के लिए तत्पर हैं। कहा कि जिस घर, परिवार से सैनिक निकलते हैं, वह घर और परिवार पूजनीय होता है। उस परिवार पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है। कहा कि हमीर ने देश सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, ऐसे सच्चे देशभक्त समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। कहा कि हमीर आज हमारे दिलों और दिमाग में आज भी जिंदा हैं। मौके पर शहीद की माता राजकुमारी, पिता जयेंद्र पोखरियाल, महावीर उपाध्याय, विजेंद्र पोखरियाल, संदीप कुड़ियाल, शीशपाल पोखरियाल, नीलम रावत, पिंकी पोखरियाल, प्रकाश रांगड़, डॉ सुनील थपलियाल सहित कई लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

-सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com